REET MAINS
अध्यापक भर्ती
GGD
Gourav Gyan Dhara
सम्पूर्ण GK निःशुल्क बैच
भौतिक प्रदेश से संबंधित
भौगोलिक शब्दावली
Class 5
Concept + याद करवाने की गारंटी

इसके अन्तर्गत जोधपुर संभाग आता। यहां पर मारवाड़ी भाषा बोली जाती है।

भौगोलिक व ऐतिहासिक शब्दावली

* मरु → मरुस्थल
* मेरु → पहाड़ी
* माल → पठार

* → **मारवाड़/मरुवार** - 'मरु' शब्द से बना है। राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थली प्रदेश इसके अन्तर्गत आता है। इसका उल्लेख चीनी यात्री ह्वेनसांग 'गुर्जरात्र प्रदेश' के रूप में करता है।
* रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख में इसे 'मरुदेश' कहा है।

→ **मेवाड़/मेदपाट/प्राग्वाट** → इसका एक और नाम शिवि-जिवी भी है। सिकंदर के आक्रमण के समय पंजाब शिवि जाति के लोग यहां आकर बस गये। इनकी राजधानी नगरी (मध्यमिका) के रूप में जानी गई। गुहिल वंश से पहले यहां मेद जाति रहती थी इसलिये इसे मेदपाट कहा गया। इसके अन्तर्गत उदयपुर, सलुंबर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, राजसमंद आदि आते हैं।

→ **वागड़** - इसे व्याघ्रघाट, वाग्वार, वार्गट आदि नामों से भी जाना जाता है। यह राजस्थान माही नदी के बहाव वाला दक्षिणी क्षेत्र है। इसे पुष्प प्रदेश और पाताल प्रदेश के रूप में भी जानते हैं।

इसके अन्तर्गत बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले आते हैं।

→ **हाड़ौती** - राजस्थान में मालवा के पठार का हाड़ा वंशी चौहानों द्वारा शासित प्रदेश। राज. का दक्षिणपूर्वी पठारी प्रदेश। इसमें बारां, बूंदी, झालावाड़ और कोटा जिले आते हैं।

* यहां के पठार की प्रधानता वाली काली मिट्टी पाई जाती है।

→ **बाँगर** | बांगड़ → अरावली का पश्चिमी भूभाग जहां पुरानी जलोढ़ मिट्टी का जमाव अधिक देखने को मिलता है।

→ इसके अन्तर्गत पाली, नागौर, सीकर और झुंझुनूं जिले आते हैं।

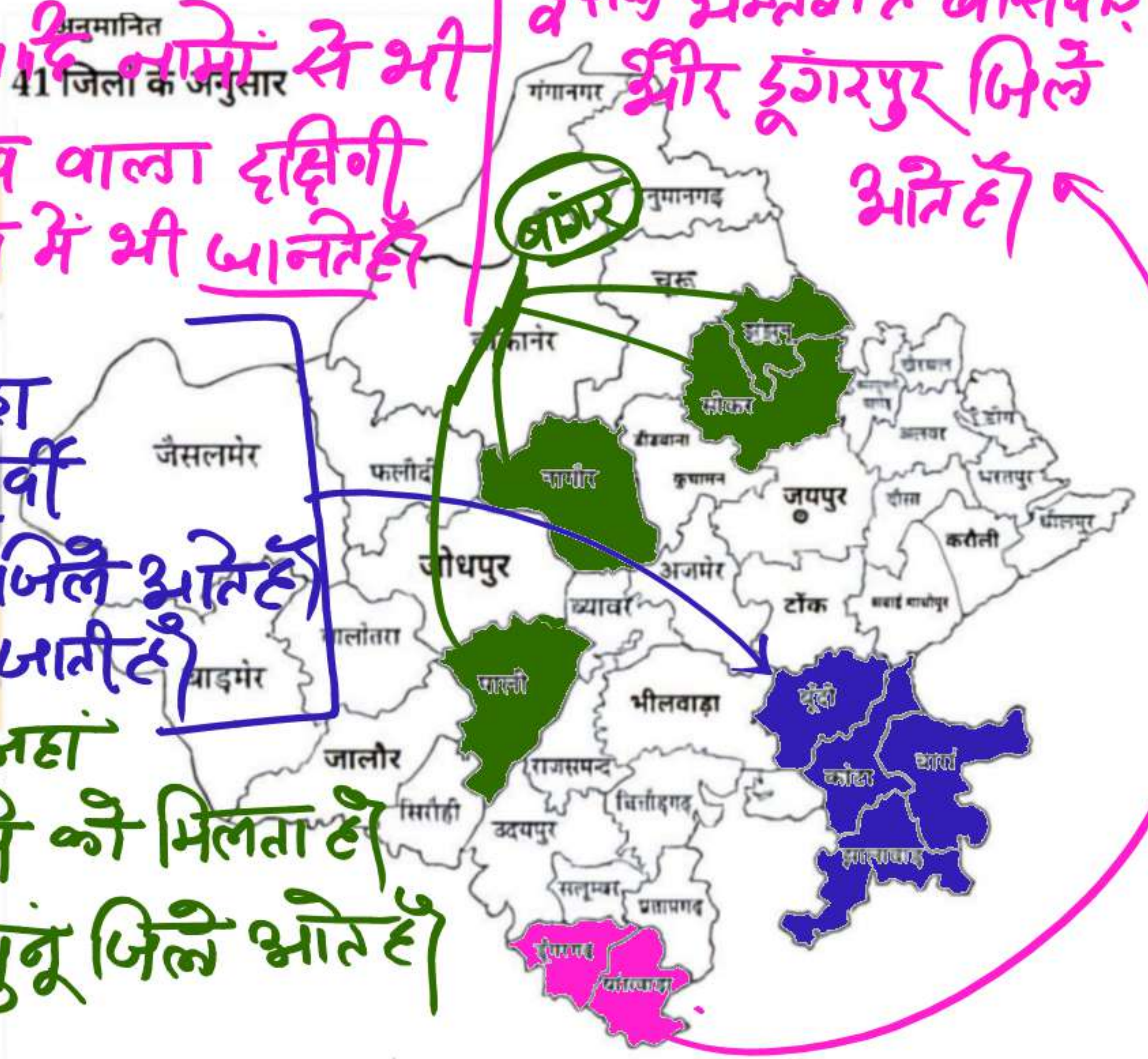

GGD Hai to Mumkin Hai ! निःशुल्क शिक्षा Join Gourav Gyan Dhara

→ **मेरवाड़ा** -
- → यह शब्द 'मेरू' शब्द से बना है। जिसका आशय पहाड़ी क्षेत्र से होता है।
- → यह अजमेर और ब्यावर का मेर जाति के बाहुल्य वाला क्षेत्र है।
- → यह क्षेत्र मेवाड़ और मारवाड़ के मध्य स्थित है।

→ इसे एकीकरण के अन्तिम चरण में राजस्थान में मिलाया गया।
इस क्षेत्र पर आजादी से पूर्व सीधा केन्द्र का अधिकार होता था।

→ **राठ/अहीरवाट** -
अहीर (यादव) वंश द्वारा शासित प्रदेश जो बानसुर से कोटपुतली तक विस्तृत था।

→ **थली** - मरूस्थल का ऊँचा उठा हुआ भूभाग थली के नाम से जाना जाता है।
* इसके अन्तर्गत बीकानेर, चुरू और नागौर का भूभाग आता है।

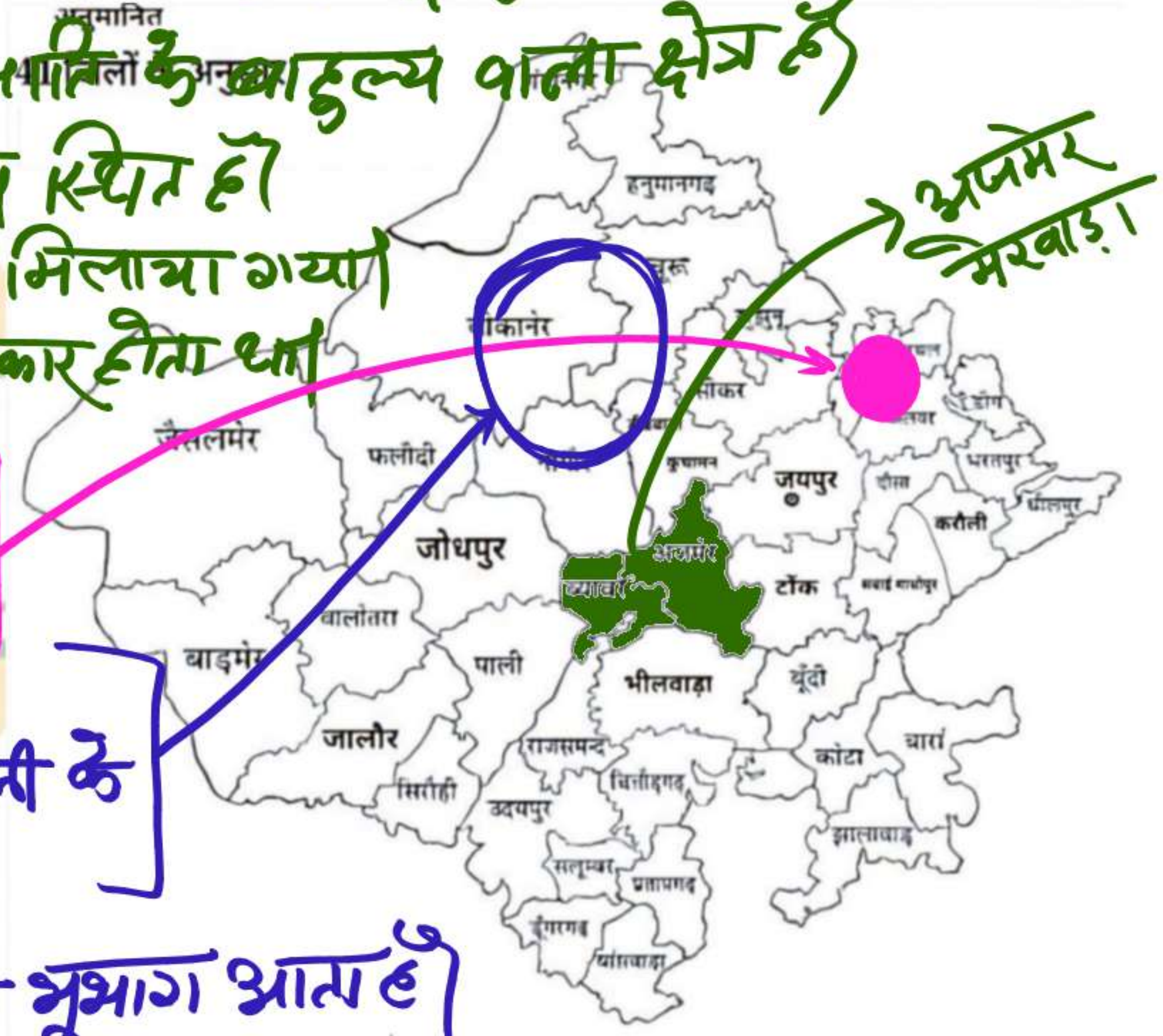

→ **देशहरों** - उदयपुर में जरगा और राग पर्वत के बीच सदैव हरा भरा रहने वाला, (वृक्षाच्छादित) क्षेत्र देशहरो कहलाता है।

→ **खेराड प्रदेश** - महाभारत काल में भीलवाड़ा के जहाजपुर वाले क्षेत्र को खेराड़ प्रदेश के रूप में जानते थे

भीखरे

→ **माल खेराड** - महाभारत काल में जहाजपुर के समीप मालपुरा (टोंक) वाले क्षेत्र को मालखेराड़ कहते थे

माटो

मालव

भौगोलिक दृष्टि से

मालव क्षेत्र - मध्य प्रदेश के मालवा पठार का विस्तार राजस्थान के जिन जिलों में है उन्हें 'मालव' कहा जाता है।
इसमें शामिल जिले - प्रतापगढ़ व झालावाड़ हैं।

विशेष - इस क्षेत्र में गाय की प्रमुख नस्ल - मालवी भी पाई जाती है।

ऐतिहासिक दृष्टि से

मालव जनपद वर्तमान सम्मिलित झालावाड़, टोंक एवं अजमेर का कुछ क्षेत्र

राजधानी - नाँदसा यूप अभिलेख, नगर (टोंक) भीलवाड़ा

विशेष - रैढ़ नलियासर (टोंक) में मालव जाति के सर्वाधिक सिक्के मिले हैं।

→ **भोराट** - उदयपुर की गोगुंदा पहाड़ी और राजसमंद की कुंभलगढ़ पहाड़ी के मध्य का पठारी भूभाग।
→ यह राजस्थान का दूसरा सबसे ऊँचा पठार है।

→ **भोमट** - उदयपुर का दक्षिणी भूभाग और मुख्यतः डूंगरपुर वाला क्षेत्र भोमट कहलाता है। यहां भील जनजाति का बाहुल्य देखने को मिलता है।

→ **जांगल प्रदेश**
↳ महाभारत काल में जोधपुर का उत्तरी भूभाग और बीकानेर वाला क्षेत्र जांगल प्रदेश कहलाता था। कुरु जांगला, माद्रेय जांगला
यहां के शासक जांगलधर बादशाह की उपाधि धारण करते थे।

→ **यौधेय** → राज. का उत्तरी भूभाग। इसमें श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले आते हैं।
→ यहां सिंध से सर्वाधिक आक्रमण हुए हैं।

GGD Hai to Mumkin Hai ! निःशुल्क शिक्षा Join Gourav Gyan Dhara

GGD Hai to Mumkin Hai ! निःशुल्क शिक्षा Join Gourav Gyan Dhara

→ **सपादलक्ष** - सीकर से सांभर तक सवा लाख गांवो का समूह। अधिकांश क्षेत्र सांभर के आसपास का था जहां चौहान शासको का शासन था।

→ **सपाड़** - सवाई माधोपुर और करौली का MP को छुता हुआ क्षेत्र

→ **मत्स्य प्रदेश** - महाजनपद काल में अलवर का दक्षिण-पश्चिमी भूभाग जहां राजा विराट का शासन था। इसके तहत अलवर, भरतपुर, करौली, खैरथल तिजारा, धौलपुर आदि जिले आते है। यहां पांडवो ने अज्ञातवास बिताया था। राजधानी - विराटनगर

→ **मेवात** -
अलवर व भरतपुर का मेव जाति का बाहुल्य वाला क्षेत्र।
→ साल्व प्रदेश।

A + B

अलवर + भरतपुर → मेवात

A + B + C + D

अलवर भरतपुर करौली धौलपुर → मत्स्य प्रदेश

B + C + D

भरतपुर + करौली + धौलपुर → शुरसेन

GGD™
Gourav Gyan Dhara

"Join Our Official TELEGRAM CHANNEL"

TO Get NEW UPDATES !

- New Job Alerts
- Academic News
- Class PDFs
- Practice MCQ Questions & Many More

@https://t.me/gouravgyandhara

Join Now!

गौरव सिंह घाणेराव Founder of GGD
Gouravgyandharaofficial
gouravgyandhara
Gourav Gyan Dhara
gouravgyandhara
gouravgyandhara
JOIN THE
FASTEST
GROWING
EDUCATION
PLATFORM
GGD
Gourav Gyan Dhara
निःशुल्क व नियमित शिक्षा देने में
राजस्थान का न. 1 YOUTUBE CHANNEL